

OBSAH

| | |
|----------------------------------|----|
| <i>Dopis příteli...</i> | 5 |
| <i>Autorova poznámka úvodem</i> | 7 |
| I Jób | |
| <i>Jób : 1</i> | 10 |
| <i>Jób : 2</i> | 12 |
| <i>Jób : 3</i> | 13 |
| <i>Jób : 4</i> | 14 |
| <i>Jób : 5</i> | 15 |
| <i>Jób : 6</i> | 16 |
| <i>Jób : 7</i> | 18 |
| <i>Jób : 8</i> | 19 |
| <i>Jób : 9</i> | 20 |
| II Hvězdy, lásky, lidé... | |
| <i>Svět potřebuje zázraky</i> | 24 |
| <i>Odpustit sami sobě</i> | 26 |
| <i>Zkamenělý čas</i> | 27 |
| <i>Lesní pramen</i> | 28 |
| <i>Otázky</i> | 28 |
| <i>Snažím se</i> | 29 |
| <i>Čapí hnízdo</i> | 30 |
| <i>Řecký nápěv</i> | 30 |
| <i>Ten čas letní</i> | 31 |
| <i>A přeci</i> | 32 |
| <i>Hvězdy, lásky, lidé...</i> | 32 |
| <i>A slova nepostačí</i> | 34 |
| <i>Vysoké modříny</i> | 35 |
| <i>Javory</i> | 36 |
| <i>Sen</i> | 36 |
| <i>Bohdanka</i> | 37 |
| <i>Zapůjčený čas</i> | 38 |
| <i>Zkusit</i> | 39 |
| <i>Ještě včera</i> | 40 |
| <i>Kolik váží naděje</i> | 40 |
| <i>Na šalmaj hrej...</i> | 41 |

| | |
|-----------------------------|----|
| <i>Tak ještě nalézt</i> | 42 |
| <i>Cosi nám uniká</i> | 44 |
| <i>Čekající víra</i> | 45 |
| <i>Co očekávat</i> | 46 |
| <i>Plynutí</i> | 47 |
| <i>Zaklínači</i> | 48 |
| <i>Třetí sudička</i> | 50 |
| <i>Jen ducha nám dej</i> | 51 |
| <i>A znovu uslyšet</i> | 52 |
| <i>Sny vetknuté</i> | 54 |
| <i>Čas v dobrém i zlém</i> | 54 |
| <i>Až jednou</i> | 55 |
| <i>Tys doplul</i> | 56 |
| <i>Co říci</i> | 57 |
| <i>Víte, pane...</i> | 58 |
| <i>Až nastane ta chvíle</i> | 60 |
| <i>Téma</i> | 61 |

III Příběhy světla

| | |
|----------------------------|----|
| <i>Podvečerní sonatina</i> | 64 |
| <i>Kryštůfek</i> | 66 |
| <i>Terezka</i> | 68 |
| <i>Anička</i> | 70 |
| <i>Lída</i> | 71 |
| <i>Lukáš</i> | 72 |
| <i>Vojtěch</i> | 73 |
| <i>Prokop</i> | 73 |
| <i>Jiřík</i> | 74 |
| <i>Markéta</i> | 76 |
| <i>Mikulášek</i> | 76 |
| <i>V údolí skřivanů</i> | 77 |

IV Jezinkoviny

| | |
|-----------------------|----|
| <i>Zlaté prasátko</i> | 80 |
| <i>Padesátka</i> | 81 |
| <i>Mimochodem</i> | 81 |
| <i>Post scriptum</i> | 82 |
| <i>Šestašedesát</i> | 84 |
| <i>Následky</i> | 85 |

| | |
|---|-----|
| V Texty (rozhlasové, vernisážní) | |
| <i>Náhody</i> | 88 |
| <i>Šípky</i> | 89 |
| <i>Ano, pane Fulghume</i> | 90 |
| <i>Nokturno</i> | 91 |
| <i>Vzpomínky</i> | 96 |
| <i>Příběhy světla</i> | 98 |
| <i>Daleko větší potěšení</i> | 100 |
| <i>Trochu jinak o naději</i> | 103 |
| <i>Sžiravá řehole</i> | 104 |
| <i>Hledání</i> | 107 |
| <i>Černobílá romantika</i> | 110 |
| <i>Romantická zamyšlení</i> | 112 |
| <i>Nabídka mostů</i> | 114 |
| <i>Prolínání kruhů</i> | 118 |
| <i>Mediátor</i> | 120 |
| <i>Emoce</i> | 124 |
| <i>Co je důležité</i> | 127 |
| <i>Slova, slova, slova...</i> | 130 |